हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 1 | अंकः 29 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 26 नवंबर से 02 दिसंबर 2021

मलिक को बयान देने से रोकने को पीठ ने किया इनकार

वानखेड़े ने खटखटाया HC का दरवाजा

मुंबईः एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के पिता ज्ञानदेव वानखेड़े ने बुधवार को मुंबई हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिसमें एकल-न्यायाधीश पीठ के आदेश को चुनौती दी गई है। पीठ ने महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को ड्रग एजेंसी के अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ टिप्पणी करने और सोशल मीडिया पोस्ट डालने से रोकने से इनकार कर दिया था।

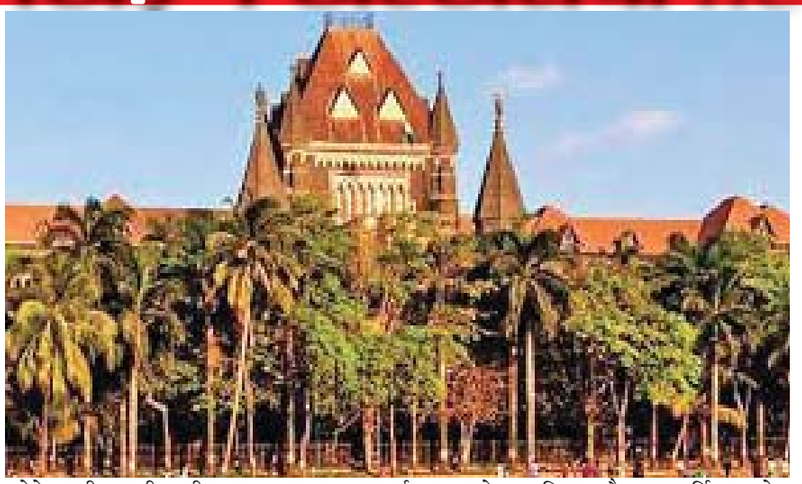

ज्ञानदेव वानखेड़े ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी अपील पर तत्काल सुनवाई का उल्लेख किया और न्यायमूर्ति एस जे कथावाला और न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की खंडपीठ से उन्हें राहत देने का आग्रह किया। उनकी अपील पर गुरुवार को खंडपीठ सुनवाई कर सकती है।

सोमवार को न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल पीठ ने वानखेड़े को महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ पार्टी राकांपा के नेता मलिक के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। वानखेड़े ने मलिक के ट्वीट और सार्वजनिक बयानों का हवाला दिया था। मलिक ने आरोप लगाया था

> **हालांकि, एकल पीठ ने मलिक को वानखेड़े और उनके परिवार के खिलाफ तथ्यों के उचित सत्यापन के बाद ही सार्वजनिक बयान या टिप्पणी करने का निर्देश दिया था।**

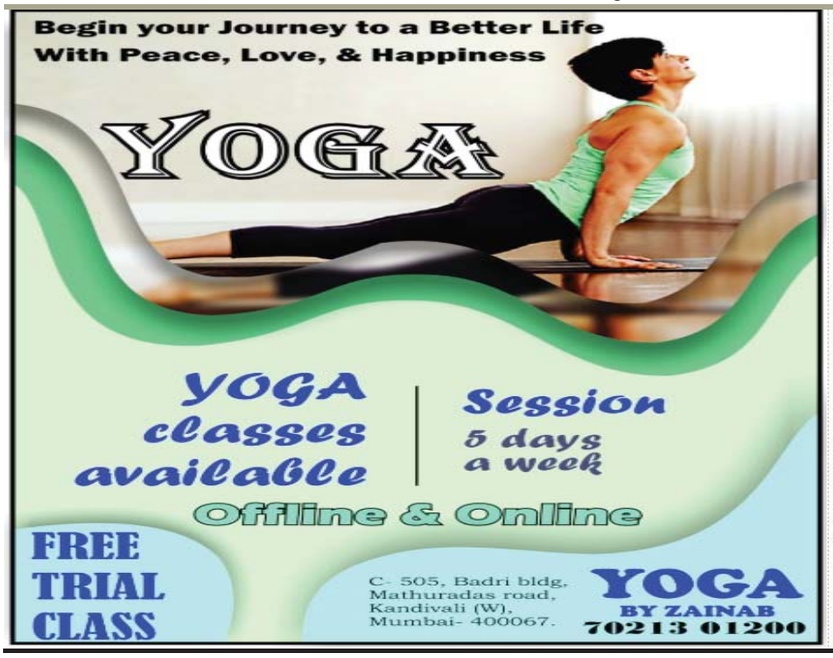

ST के कर्मचारियों की हड़ताल हुई तेज

जनशक्ति संगठन के कार्यकताओं ने परिवहन मंत्री अनिल परब के घर पर फेंकी स्याही

मुंबई। महाराष्ट्र में स्टेट ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों का आंदोलन अब तेज हो गया है. ऐसा इसलिए है क्योंकि कई यूनियनों ने एसटी कर्मचारियों के मुद्दे पर अनिश्चितकालीन हड़ताल का समर्थन किया है. वहीं अब जनशक्ति संगठन के कार्यकर्ता आक्रामक होते नजर आ रहे हैं.जनशक्ति संगठन के कार्यकताओं ने मंगलवार को परिवहन मंत्री अनिल परब के आवास के बाहर प्रदर्शन किया. इसके साथ ही कार्यकताओं ने परब के घर पर स्याही फेंकी. इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया और गेट से बाहर करने लगी. जिस पर कई कार्यकर्ता सड़क पर लेट कर प्रदर्शन करने लगे. इस दौरान पुलिस ने जनशक्ति संगठन के कई कार्यकताओं को गिरफ्तार किया है. वहीं, घटना के बाद आवास की सफाई की गई.

इस बीच, एसटी कार्यकताओं की हड़ताल का कई यूनियनों द्वारा समर्थन किया जा रहा है. इस दौरान बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर ने शांतिपूर्ण आंदोलन की अपील की है. उन्होंने कहा कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए. सरकार आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही है. उन्होंने इसके साथ ही कहा कि जनशक्ति कार्यकताओं द्वारा किए गए आंदोलन से उनका कोई लेना-देना नहीं है.

राज्य के परिवहन मंत्री अनिल परब ने हाल ही में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को चेतावनी दी थी कि वह जल्द से जल्द काम पर लौटें. नहीं तो ट्रांसपोर्ट की बसों को प्राइवेटाइज करने का रास्ता भी है. शुक्रवार को उन्होंने 238 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नोटिस भेज कर उनकी सेवाएं समाप्त कर दी थीं. वहीं अब तक 297 कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है. महाराष्ट्र में एसटी कर्मचारियों की हड़ताल जारी है. इस दौरान कई कर्मचारियों को निलंबित भी कर दिया गया है. आंदोलन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वह अपनी जायज मांग के लिए हड़ताल कर रहे हैं. कई कर्मचारियों का कहना है कि 10 सालों की सर्विस के बावजूद भी उन्हें आज के महंगाई के जमाने में सिर्फ 12 हजार रुपए दिया जाते हैं. उनकी सैलरी बढ़नी चाहिए.

IPS परमबीर सिंह के दोनों घरों के बाहर चस्पा किया गया फरार घोषित करने वाला नोटिस

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के दो घरों के बाहर मुंबई पुलिस भगोड़ा घोषित होने के 30 दिन के अंदर हाजिर होने का नोटिस चस्पा कर दिया है। यह नोटिस वसूली के एक मामले में चस्पा किया गया है। नोटिस में दी गई अवधि के अंदर पुलिस के सामने हाजिर न होने पर उनकी संपत्तियां कुर्क की जा सकती हैं। परमबीर सिंह को एक दिन पहले ही सर्वोच्च न्यायालय से कुछ राहत मिली थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए अनिल देशमुख मामले में सीबीआई को सहयोग करने के निर्देश दिए थे। लेकिन सोमवार को ही वसूली के एक मामले में मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच परमबीर के विले पार्ले एवं मलाबार हिल्स स्थित दो आवासों पर उन्हें भगोड़ा घोषित किया गया नोटिस लेकर पहुंच गई। दोनों घरों पर किसी के उपस्थित न होने पर नोटिसें दरवाजे पर चिपकाकर पुलिस लौट गई। यह नोटिस गोरेगांव पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज किए गए एक मामले में चिपकाई गई है। इस मामले में 17 नवंबर को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपालिटन मैजिस्ट्रेट एस.बी.भाजीपाले ने परमबीर सहित दो अन्य आरोपितों को भगोड़ा घोषित करते हुए उन्हें पुलिस के सामने 30 दिन के अंदर हाजिर होने का नोटिस दिया था। इस अवधि के अंदर हाजिर न होने पर उनकी संपत्ति कुर्क की जा सकती है।

शरद पवार का सरकार पर वार, कहा- अगर चुनाव न होते तो नहीं वापस होते कृषि कानून

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों तीनों नए कृषि कानून वापस लेने का ऐलान किया. किसान इन तीनों कानूनों को वापस लेने के लिए पिछले एक साल से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं. हालांकि केंद्र सरकार के इन कृषि कानूनों की वापसी के फैसले को कुछ विपक्षी नेता चुनावी निर्णय बता रहे हैं. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने भी इन कृषि कानूनों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है.

महाराष्ट्र के सतारा में एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा है कि अगर केंद्र सरकार सभी राज्यों को भरोसे में लेती और संसद में इन तीनों कृषि कानूनों पर चर्चा करती तो आज स्थिति कुछ अलग होती. अगर कोई भी आगामी चुनाव नहीं होते तो शायद सरकार की ओर से तीन कानूनों की वापसी का फैसला नहीं लिया जाता. शरद पवार ने महाराष्ट्र की महा विकास आघाड़ी गठबंधन सरकार को लेकर भी प्रतिक्रिया दी.

देवेंद्र फड़नवीस ने अमरावती की हिंसा को साजिश करार दिया

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने रविवार को कहा कि अमरावती और महाराष्ट्र के कुछ अन्य शहरों में हाल की हिंसक घटनाएं एक साजिश थी। इसका मकसद राज्य में जान-बूझकर अशांति पैदा करना था। उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद भाजपा और हिंदू संगठनों के खिलाफ पुलिस की एकतरफा कार्रवाई तत्काल बंद होनी चाहिए, अन्यथा भाजपा जेल भरो आंदोलन शुरू करेगी। फड़नवीस ने यह आरोप भी लगाया कि महाराष्ट्र सरकार 12 नवंबर की हिंसक घटना की अनदेखी कर रही है। इसके बदले वह सिर्फ इसके अगले दिन हुई प्रतिक्रिया पर अपना ध्यान दे रही है। भाजपा नेता ने रविवार को अमरावती के मसानगंज और हनुमाननगर इलाकों का दौरा किया और अस्पताल जाकर हिंसा में घायल लोगों से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि 12 नवंबर को त्रिपुरा की सांप्रदायिक हिंसा

के खिलाफ महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में कुछ मुस्लिम संगठनों ने रैलियां निकाली थीं। इस दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं हुई थीं। फड़नवीस ने कहा कि ये रैलियां गलत सूचनाओं के आधार पर निकाली गई थीं। यह राज्य में अशांति उत्पन्न करने का जान-बूझकर और सुनियोजित प्रयास था। इससे पहले फड़नवीस ने कहा था कि पिछले सप्ताह अमरावती और मालेगांव में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा पूर्व नियोजित थी। पार्टी पदाधिकारियों और विधायकों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इसका मकसद समाज का ध्रुवीकरण करना था। इधर,एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिंसक घटनाओं के सिलसिले में मंगलवार दोपहर तक कुल 188 आरोपित गिरफ्तार किए गए। शहर में 12 और 13 नवंबर को एक के बाद एक कई हिंसक घटनाएं हुई थीं, लेकिन अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजेंद्र सिंह ने अमरावती में भाजपा द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान दुकानों पर पथराव किया गया था। इससे एक दिन पहले एक मुस्लिम संगठन की रैली के दौरान पथराव किया गया था।

संजय राउत का दावा- 25 साल तक चलेगी आघाड़ी सरकार

BJP तो 28 बार गिरने के दावे कर चुकी है

शिवसेना ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार जल्द गिरने के बीजेपी के दावे को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि तीन पार्टियों के गठबंधन वाली सरकार राज्य में 25 साल तक रहेगी. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात के बाद शिवसेना सांसद संजय राउत ने संवाददाताओं से बातचीत में बीजेपी पर हाल में अमरावती में दंगों और महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम कर्मचारियों की जारी हड़ताल के लिए निशाना साधा. संजय राउत ने कहा कि ये सरकार अगले 25 सालों तक चलती रहेगी.

प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के एमवीए सरकार जल्द गिर जाने के खबरों में आये बयान को लेकर उन पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि उन्हें नींद से जाग जाना

चाहिए क्योंकि सरकार 28 नवंबर को अपने दो साल पूरे करेगी. शिवसेना सांसद ने कहा कि एमवीए सरकार 25 साल तक चलेगी और जहां वह खड़े हैं, वहीं सत्ता का केंद्र है, वह पवार के घर का संदर्भ दे रहे थे. राउत ने कहा कि पाटिल करीब 28 बार यह अनुमान जता चुके हैं. राज्यसभा सांसद ने इखढ का नाम लिये बिना कहा, ह्वसब जानते हैं कि महाराष्ट्र में हालात को कौन उकसा रहा है और ऐसा क्यों किया जा रहा है. एमएसआरटीसी के मुद्दे पर आग में तेल कौन डाल रहा है. हमें इस बारे में जानकारी है.ह्व आरोप लगाया कि अमरावती से लेकर एमएसआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल तक आग लगाने की कोशिश की जा रही है.MSRTC के कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को 27वें दिन में प्रवेश कर गई और इस बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की. राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पवार के साथ राजनीति और एमएसआरटीसी कर्मियों की चल रही हड़ताल सहित कई मुद्दों पर चर्चा की. राउत ने NCP अध्यक्ष के यहां स्थित आवास पर बैठक के बाद कहा, ह्वपवार साहब के साथ केवल गंभीर मुद्दों पर चर्चा की जाती है क्योंकि हम दोनों के पास अन्य मुद्दों पर चर्चा करने का समय नहीं है. एमएसआरटीसी की हड़ताल का मुद्दा बहुत गंभीर है और मुझे विश्वास है कि जल्द ही इस मुद्दे का समाधान निकाल लिया जाएगा. घाटे में चल रहे परिवहन निगम का राज्य सरकार में विलय की मांग को लेकर एमएसआरटीसी के कर्मचारियों की हड़ताल मंगलवार को 27वें दिन भी जारी रही. राउत ने कहा कि पवार ने सोमवार को परिवहन मंत्री अनिल परब और वित्त मंत्री अजित पवार से इस मुद्दे पर चर्चा की. राउत ने कहा, ह्वहमने जो बातचीत की, उसके अनुसार ऐसा लगता है कि जल्द ही इस मुद्दे का समाधान निकाल लिया जाएगा. शरद पवार, वित्त मंत्री अजीत पवार और परिवहन मंत्री (परब) के बीच एक बैठक हुई और मैं समझता हूं कि उन्होंने (उन्हें) कुछ सकारात्मक निर्देश दिए हैं.ह्व उन्होंने एमएसआरटीसी कर्मियों के मुद्दे पर ह्वआग में घी डालने के लिए विपक्षी बीजेपी पर निशाना साधा. राउत ने आरोप लगाया कि अमरावती (परोक्ष तौर पर शहर में हाल में हुए दंगे की ओर इशारा करते हुए) से लेकर एमएसआरटीसी कर्मियों की हड़ताल तक महाराष्ट्र में आग लगाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा, ह्वकर्मचारियों के लिए हर कोई सहानुभूति रखता है.

फिर मुश्किलों में कंगना रनोट, उनके खिलाफ सिख समुदाय का अपमान करने का मामला दर्ज

मुंबईः पुलिस ने बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट के खिलाफ सिख समुदाय का अपमान करने के मामले में एफआइआर दर्ज की है। अभिनेत्री ने इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में समुदाय के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (डीएसजीएमसी) द्वारा अभिनेत्री के खिलाफ शिकायत सौंपे जाने के एक दिन बाद मंगलवार को खार थाने में एफआइआर दर्ज की गई। कंगना को आइपीसी की धारा 295 (किसी धर्म या धार्मिक मान्यता का अपमान कर धार्मिक भावना आहत करना) के तहत आरोपित बनाया गया है। मामले में जांच जारी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में शिकायतकर्ता मुंबई निवासी कारोबारी अमरजीत सिंह संधू भी सोमवार को शिकायत सौंपने आए डीएसजीएमसी प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में डीएसजीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वालसे पाटिल तथा मुंबई पुलिस के अधिकारियों से मुलाकात की और अभिनेत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मुंबई लोकल ट्रेन में सफर करने वालों को राहत मिलेगी

मुंबईः लोकल ट्रेन के यात्रियों के लिए खुशखबरी है. कोविड-रोधी टीके की दोनों डोज ले चुके मध्य रेलवे की मुंबई लोकल ट्रेन के यात्री अब रेलवे की अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) ऐप के जरिए अपने मोबाइल फोन पर एकल यात्रा और सीजन टिकट बुक) कर सकते हैं. दरअसल यूटीएस ऐप को राज्य सरकार की सार्वभौमिक पास प्रणाली से जोड़ा गया है. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार

लाहोटी ने कहा कि यूटीएस ऐप और सार्वभौमिक पास प्रणाली को जोड़े जाने से यात्री बिना किसी परेशानी के अपने टिकट बुक कर सकेंगे. लाहोटी ने कहा, ऐसे व्यक्ति जोकि टीके की दोनों खुराक ले चुके हैं और अंतिम खुराक दिए जाने के बाद से 14 दिन पूरे कर चुके हैं, उन्हें राज्य सरकार का सार्वभौमिक पास लेना होगा जोकि टीकाकरण की स्थिति के सत्यापन के बाद जारी किया गया था. अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दोनों प्रणाली को जोड़ने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और रेलवे टिकट काउंटर पर कतारें कम होंगी. इससे पहले राज्य सरकार ने वैक्सीनेशन पूरा होने के बाद मंथली पास लेकर यात्रा की अनुमति दी थी. इससे लोगों में खासी नाराजगी दिखी थी. जिसके बाद सरकार ने सफर करने के लिए मंथली पास रखने की बाध्यता को खत्म कर दिया था.

अनिल देशमुख को बचाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने दी है याचिका, सीबीआई का कोर्ट में दावा

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख सीबीआई ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे और डीजीपी संजय पांडे को पूछताछ के लिए समन्स भेजे हैं. राज्य सरकार ने इन समन्स के खिलाफ याचिका दी है. सीबीआई ने मंगलवार

को मुंबई उच्च न्यायालय में यह दावा किया कि राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को बचाने के लिए यह याचिका दी है. यह याचिका अनिल देशमुख से जुड़े केस की जांच में रूकावट डालने की कोशिश है.सीबीआई ने दावा किया कि, भ्रष्टाचार के आरोपों पर उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक सीबीआई ने प्राथमिक जांच की और अनिल देशमुख के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की.

उस जांच को रोकने के लिए देशमुख ने बार-बार उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दी. इसमें उन्हें सफलता नहीं मिली.

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

अड़ियल रवैये पर कायम किसान नेता

लखनऊ में जमा किसान नेताओं ने अपनी मांगों को लेकर जो कुछ कहा उससे यह स्पष्ट है कि वे अपने अड़ियल रवैये पर कायम रहना चाहते हैं। समस्या केवल यह नहीं है कि वे अपनी ही चलाने पर आमादा हैं, बल्कि यह भी है कि उनकी ओर से ऐसा प्रकट किया जा रहा है जैसे वे देश के समस्त किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। सच्चाई यह है कि संयुक्त किसान मोर्चे के नेता केवल ढाई राज्यों अर्थात पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों का हित साध रहे हैं। इनमें भी वे किसान हैं जो कहीं अधिक समर्थ हैं। यह एक तथ्य है कि इस किसान आंदोलन में न तो देश के आम किसानों की भागीदारी है और न ही पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और मध्य भारत के किसान नेताओं की। यही कारण है कि जिस किसान आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बताया जा रहा है वह दिल्ली और उसके आसपास ही केंद्रित है। संयुक्त किसान मोर्चे के नेता ऐसा भी कोई दावा नहीं कर सकते कि वे देश के सभी किसानों की मांगों को सामने रख रहे हैं, क्योंकि सच्चाई तो यही है कि वे उन किसानों के हितों को संरक्षित करने में लगे हुए हैं जो न्यूनतम समर्थन मूल्य का सर्वाधिक लाभ उठाते हैं।एक समस्या यह भी है कि किसान नेता खेती-किसानी में हो रहे परिवर्तन से भी अनजान हैं और यह समझने को भी तैयार नहीं कि आज के इस दौर में खेती में क्या और कैसे बदलाव लाने की जरूरत है। वे इसकी जानबूझकर अनदेखी कर रहे हैं कि देश में तमाम किसान ऐसे हैं जिन्होंने आधुनिक खेती के तौर-तरीकों को अपनाकर अपनी समस्याओं से मुक्ति पाई है। आखिर जब छोटे एवं मझोले किसान ऐसा कर सकते हैं तो समर्थ किसान क्यों नहीं कर सकते। वास्तव में किसान नेता उस परंपरागत खेती की पैरवी कर रहे हैं जो धीरे-धीरे घाटे का सौदा बनती जा रही है।विडंबना यह है कि इसके बावजूद वे न तो फसल चक्र में बदलाव लाने को तैयार हैं और न ही यह समझने को कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेती एवं कृषि उपज का व्यापार क्या रूप ले रहा है। किसान नेता अब अपनी जिन नई मांगों को लेकर सामने आ गए हैं उनमें से कुछ तो ऐसी हैं जिन्हें मानने से न केवल खेती का बेड़ा गर्क हो जाएगा, बल्कि पर्यावरण को भी और अधिक गंभीर क्षति पहुंचेगी। किसान नेताओं की मांगें मानने से सब्सिडी का जो मौजूदा ढांचा है वह भी ध्वस्त हो जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा इस पर अड़ गया है

टीएमसी की ऊंची उड़ान

बंगाल फतेह के बाद तृणमूल कांग्रेस अब पूरे देश में अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही है. इसी कड़ी में वह तेजी से दूसरे दलों के बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है. पहले यह सिलसिला केवल बंगाल तक सीमित था. लेकिन अब देश के दूसरे बड़े राज्यों में भी यह सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है. हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने अपने मुखपत्र जागो बांग्ला में लिखा था कि वह देश भर में बीजेपी से मुकाबला करने के लिए अपनी पार्टी का विस्तार करेगी. और अब ममता बनर्जी वैसा ही कर रही हैं. गोवा से लेकर दिल्ली-हरियाणा यूपी में जिन नेताओं को टीएमसी अपने खेमें में ला रही है उनमें सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस पार्टी का ही हो रहा है. दिल्ली में कीर्ति आजाद और हरियाणा में अशोक तंवर तो अभी झलकी हैं. टीएमसी अभी कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में लाने की तैयारी में है.कीर्ति आजाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर भी हैं और झारखंड-बिहार की राजनीति में उनका दबदबा देखा जा सकता है. इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी छोड़कर अपनी पार्टी बनाने वाले अशोक तंवर भी टीएमसी में शामिल हो गए. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सलाहकार रहे पूर्व जेडीयू नेता पवन वर्मा ने भी दिल्ली में ममता बनर्जी की उपस्थिति में उनके साथ चलने का फैसला किया. उत्तर प्रदेश और गोवा में भी तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस में सेंधमारी की है. यहां भी उसने कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल किया है. तृणमूल कांग्रेस नारा तो दे रही है कि वह बीजेपी से मुकाबला करने के लिए अपना विस्तार कर रही है. लेकिन जिस तरह से वह राज्य दर राज्य कांग्रेस पार्टी में सेंधमारी कर रही है, उससे ऐसा लग रहा है कि जैसे वह पहले कांग्रेस को खत्म करने के विचार में है और फिर बीजेपी से मुकाबला करने के. जितनी तेजी से तृणमूल कांग्रेस का स्तर राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ेगा, उतनी ही तेजी से कांग्रेस का ग्राफ गिरेगा. क्योंकि जिस तरह से तृणमूल कांग्रेस ममता बनर्जी के नेतृत्व में देश भर के बड़े कांग्रेसी और गैर कांग्रेसी नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी का विस्तार कर रही है, उससे सबसे बड़ा नुकसान अगर किसी को होगा तो वह कांग्रेस पार्टी ही होगी. आने वाले समय में देश के पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं और तृणमूल कांग्रेस के पास इन चुनावों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने पांव पसारने का अच्छा मौका है.यही वजह है कि गोवा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी जहां इससे पहले तक टीएमसी का कोई स्टेक नहीं था, अब वह यहां के क्षेत्रीय नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करके जमीनी स्तर पर अपने पैर मजबूत कर रही है. ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने के बाद ही ऐलान कर दिया था, उनकी नजर अब दिल्ली की गद्दी पर है. उन्हें पता है कि दिल्ली की गद्दी तभी मिल सकती है जब बीजेपी के अलावा उनसे मुकाबला करने को और कोई पार्टी ना हो, यही वजह है कि ममता बनर्जी अब देश के हर सूबे से कांग्रेस के बड़े सिपहसालारों को अपने दल में शामिल करती जा रही हैं. टीएमसी का दावा है कि आने वाले कुछ महीनों में वह बिहार-उत्तर प्रदेश में दर्जनभर से ज्यादा बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करेगी.तृणमूल कांग्रेस को पता है कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी राजनीति को मजबूत बनाना है, तो सबसे पहले उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी. इन राज्यों में वहां की क्षेत्रीय पार्टियां फिलहाल कांग्रेस से दूरी बनाए हुई हैं. ममता बनर्जी जानती हैं कि यह एक अच्छा मौका है और अगर इस वक्त कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस ने क्षेत्रीय पार्टियों यानि बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर लिया तो आने वाले समय में कांग्रेस की स्थिति जितनी ही ज्यादा खराब होगी, तृणमूल कांग्रेस की स्थिति उतनी ही ज्यादा इन प्रदेशों में अच्छी होगी. कांग्रेस ममता बनर्जी के निशाने पर तब से है जब से उन्होंने बीजेपी के विरोध में विपक्ष को इकट्ठा करने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस की वजह से ममता का दांव कामयाब नहीं हो पाया. क्योंकि कांग्रेस कभी नहीं चाहेगी कि विपक्ष का चेहरा 2024 के लोकसभा चुनाव में ममता बनर्जी हों. कांग्रेस की पूरी कोशिश है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में बीजेपी का मुकाबला करे. जिसे लेकर शायद ही कोई बड़ी राजनीतिक पार्टी तैयार हो.

तृणमूल कांग्रेस भले ही पूरे देश में अपने पैर पसारने की बात कर रही हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अभी तक टीएमसी केवल पश्चिम बंगाल से सटे राज्यों में ही कुछ हद तक अपना प्रभाव बना सकी है. गोवा में भले ही टीएमसी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हो, लेकिन वहां टीएमसी की स्थिति इतनी मजबूत नहीं है कि वह कुछ सीटें भी जीत सके. जबकि त्रिपुरा, असम और बिहार के सीमांचल इलाके में तृणमूल कांग्रेस का प्रभाव देखा जा सकता है. खबर है कि बिहार में तृणमूल कांग्रेस अपना चेहरा चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को बना सकती है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के समय भी प्रशांत किशोर ममता बनर्जी के साथ थे और जब ममता बनर्जी दिल्ली विपक्ष की एकजुटता के लिए आई थीं, उस वक्त भी प्रशांत किशोर उनके साथ ही थे. हालांकि बीच में जरूर अफवाहें उड़ रही थीं कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले हैं. लेकिन अब ऐसे कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं.

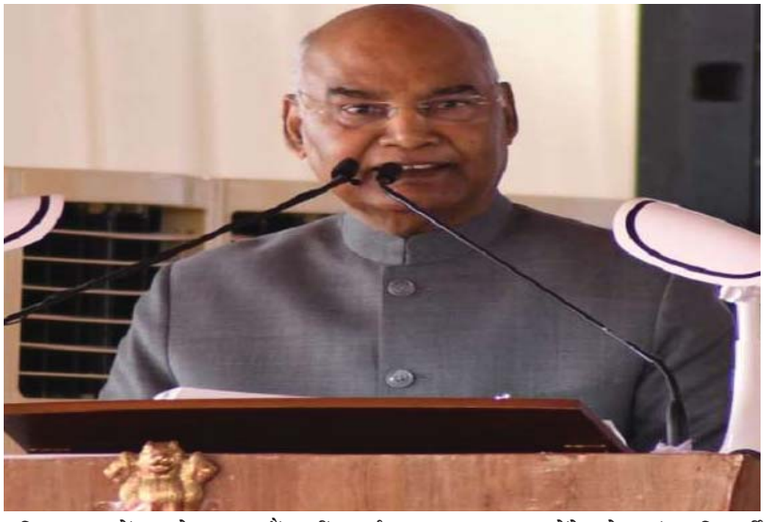

राष्ट्रपति कोविन्द बोले; जाति, संप्रदाय से ऊपर उठें तो जहां रहेंगे वहीं बनेगा स्वर्ग

कानपुर: जाति, संप्रदाय, अमीर-गरीब से ऊपर उठकर लोगों के साथ जुड़ेंगे तो हम जहां रहते हैं वहीं स्वर्ग बन जाएगा। यह बात बुधवार को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कही। वह मेहरबान सिंह का पुरवा स्थित चौधरी हरमोहन सिंह पैरामेडिकल साइंस एंड नर्सिंग संस्थान में स्वर्गीय चौधरी हरमोहन सिंह यादव के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे चौधरी हरमोहन सिंह की तारीफ करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जब ट्रेन में सफर करते थे तो जो अनजान भी होते थे, उन्हें भी हमसफर मानते थे। हमसफर की यही भावना यदि समाज में अपने पास पड़ोस में भी चरितार्थ हो जाए और जाति, संप्रदाय, अमीर गरीब को भूल लोगों को अपनाएं तो जहां रहते हैं वहीं स्वर्ग बन जाएगा। उन्होंने बताया कि 1984 में हरमोहन सिंह यादव ने जान जोखिम में डालकर उन्मादी भीड़ का सामना किया था। उन्होंने गणेश शंकर विद्यार्थी की परंपरा को आगे बढ़ाया जिसकी वजह से 1991 में उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया और देश के विकास में शिक्षकों की छात्रों की प्रभावी भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि आज भारत और भारतीयों को पूरे विश्व में आदर मिल रहा है। भारत के विकास में हम सबकी सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। किसी भी राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव, अतीत के अनुभव और पूर्वजों की विरासत से मजबूती प्राप्त करती है। एक सुदृढ़, यशस्वी, विकसित और समृद्ध भारत के निर्माण में हम सभी की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। हमें मिल-जुलकर प्रयास करने चाहिए। हमारे देश का हर एक हाथ देश की उन्नति में एक साथ उठना चाहिए। विश्व के अग्रणी राष्ट्रों की पंक्ति में शामिल होने के लिए 130 करोड़ देशवासियों के कदम एक साथ आगे बढ ` चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना, राज्यसभा सदस्य सुखराम ङ्कूसह और चौधरी हरमोहन ङ्कूसह जन कल्याण समिति के अध्यक्ष मोहित यादव मौजूद रहे। चकेरी एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री ने किया स्वागतः चकेरी एयरपोर्ट के रनवे पर राष्ट्रपति का विमान उतरा। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रपति हेलीकाप्टर से कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए।

सीबीआइ ने नौ पुलिसकर्मियों के विरुद्ध घोषित किया इनाम, जौनपुर में युवक की मौत का मामला

लखनऊ: जौनपुर में पुलिस हिरासत में युवक की मौत के मामले में सीबीआइ ने नौ पुलिसकर्मियों के विरुद्ध 25-25 हजार रुपये इनाम घोषित किया है। सीबीआइ लखनऊ की स्पेशल क्राइम ब्रांच ने हाईकोर्ट के निर्देश पर 17 सितंबर को युवक की मौत के मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। सीबीआइ की पड़ताल में नौ पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें पूछताछ के लिए तलब किया गया था। अब तक आरोपित एक भी पुलिसकर्मी जांच एजेंसी के सामने नहीं आया। जौनपुर के ग्राम पकड़ी चकमिजार्पुर निवासी कृष्ण कुमार यादव उर्फ पुजारी की 11 फरवरी, 2021 को पुलिस अभिरक्षा में मौत हो गई थी। कृष्ण कुमार के भाई अजय कुमार यादव ने इस मामले में एफआइआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि एसओजी टीम, थाना प्रभारी बक्शा अजय कुमार सिंह मय हमराही पूरी फोर्स के साथ उनके घर पर आए थे और उनके भाई कृष्ण कुमार को पकड़कर थाने ले गए थे। जहां, पुलिस प्रताड से उसकी जान चली गई थी।

पटना की सड़कों पर टशन में दिखे लालू प्रसाद यादव

RJD सुप्रीमो की स्टाइल से हैरान हुए लोग

पटना। चारा घोटाले में पेशी के लिए पटना आए राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद (फ्खऊ र४स्त्र१ीङ्क छं४ ढ१ं२ं ंि५) बुधवार सुबह अलग अंदाज में नजर आए। पूर्व सीएम राबड़ी देवी (ए७ उट फुं१ ऊ५) के सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड से निकले तो देखने वाले हैरान हो गए। वे खुली जीप में बैठे उसे ड्राइव करते हुए पास में डा. राजेंद्र प्रसाद (ऊ१ फ्रील्लाि१ं ढ१ं२ं) की प्रतिमा तक गए। फिर गाड़ी घुमाकर लौट गए। इस दौरान समर्थकों का जोश देखते ही बन रहा था। जिंदाबाद के नारे गूंज रहे थे। समर्थकों का कहना है कि लालू प्रसाद अब स्वस्थ हो रहे हैं। यह कार्यकताओं के लिए काफी सुखद है। उन्हें उम्मीद है कि अब लालू प्रसाद पटना में रहकर सक्रिय राजनीति करेंगे। गाड़ी चलाने के बाद लालू प्रसाद ने ट्वीट भी किया है। लिखा है कि वर्षों बाद आज अपनी पहली गाड़ी चलाई। यह भी कहा है कि इस संसार में जन्में सभी लोग किसी न किसी रूप में ड्राइवर ही तो हैं। लालू ने आगे लिखा है कि आपके जीवन में प्रेम, सद्भाव, सौहाद्र, समता, समृद्धि, शांति, सब्र, न्याय और खुशहाली रूपी गाड़ी सबको लेकर सदा मजे से चलती रहे। बता दें कि किडनी, हार्ट समेत अन्य बीमारियों से जूझ रहे लालू प्रसाद का उपचार दिल्ली एम्स के डाक्टरों की देखरेख में चल रहा है।

महाअभियान के तहत मध्य प्रदेश में 18 लाख से ज्यादा को लगा कोरोना निरोधक टीका

भोपाल। प्रदेश ने कोरोना से सुरक्षा देने वाला टीका लगाने में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बुधवार को महाअभियान में रात आठ बजे की स्थिति में 18 लाख 56 हजार लोगों ने टीका लगवाया। इसमें 95 फीसद दूसरी डोज लगवाने वाले हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 59 फीसद लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं। टीका लगाने के लिए प्रदेश में 12,143 केंद्र बनाए गए थे। सुबह टीकाकरण की रफ्तार कम रही, पर दोपहर में ज्यादा लोग पहुंचे। हालांकि, इस अभियान के बाद भी प्रदेश में करीब 90 लाख और भोपाल में चार लाख 15 हजार लोगों की दूसरी डोज बाकी है। अगले बुधवार (एक दिसंबर) को भी महाअभियान चलेगा। 25 दिसंबर तक 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को दोनों डोज लगाने का लक्ष्य है।

कविता

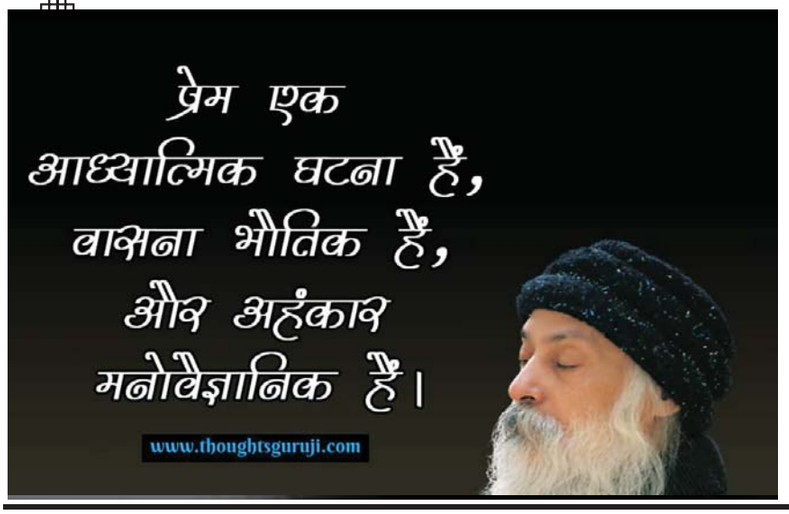

कहै कबीर दीवाना-ओशो

आज कैसे जी सकते हैं, जब तक महल न हो? आज जीना संभव ही कैसे है, जब तक तिजोड़ी भरपूर न हो? जब तक सारे कलों के लिए इंतजाम न कर लिया हो और भविष्य पूरा सुरक्षित न कर लिया हो, तब तक जी कैसे सकता है? मूढ़ जी सकता है, कृपण कहता है, समझदार कैसे जी सकता है? कल की चिंता निश्चिंतता में बदल जाए, तिजोड़ी हो, बैंक-बैलेन्स हो, सब सुख सुविधा हो, फिर मैं जीऊंगा। ऐसी घड़ी कभी नहीं आती। सिकंदर को नहीं आती, तुम्हें कैसे आ सकती है? किसी को नहीं आती। ऐसी घड़ी आती ही नहीं, जब समायोजन पूरा हो जाए।जिन्हें जाना है, उन्हें हमेशा आधे समायोजन में ही जीना होता है। जिन्हें जीना है, उन्हें हमेशा आधी तैयारी में ही जीना होता है। उन्हें आज ही जीना होता है। जिन्हें हंसना है, नाचना है, वे इस की बहुत चिंता नहीं करते कि आंगन टेढ़ा है...कहावत है, नाच न आवे आंगन टेढ़ा। जीने की कला नहीं आती और लोग कहते हैं आंगन टेढ़ा है, पहले सीधा कर लें।

जारी....

कस्टर्ड एप्पल खाने से हो सकते हैं ये 5 नुकसान

कस्टर्ड एप्पल खाने के हो सकते हैं ये 5 नुकसान, जानें कैसे और कब खा सकते हैं

शरीफा (कस्टर्ड एप्पल) कई मायनों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसके मलाईदार और मीठे वाले भाग को लोग कई तरह से खाना पसंद करते हैं। कुछ लोग इसे कस्टर्ड की तरह ठंडा करके खाना पसंद करते हैं। इसके कई स्वास्थ्य लाभ है लेकिन इसके अधिक सेवन के कई नुकसान भी है। दरअसल शरीफा की गूदे और बीजों में पाए जाने वाले एनोनासिन एक रासायनिक यौगिक है। यह यौगिक आपके मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। इसमें मौजूद आयरन और पोटेशियम की अधिक मात्रा आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। उसी तरह अधिक मात्रा में फाइबर का सेवन करना भी पेट के लिए नुकसानदेह होता है। इसे आपका मोटापा भी बढ़ सकता है। इसके अलावा अगर आपको किसी तरह की एलर्जी है तो शरीफा खाने से बचें। साथ ही खाते समय इसकी मात्रा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं शरीफा से होने वाले कुछ नुकसानों के बारे में।

शरीफा के गुदे और बीजों में एनोनासिन नामक रासायनिक यौगिक पाया जाता है। यह जहरीला यौगिक तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क को प्रभावित करता है। यह पार्किंसंस रोग के जोखिम को भी बढ़ाता है।

2. रक्तचाप और थैलेसीमिया की परेशानी शरीफा आयरन और पोटेशियम का अच्छा स्त्रोत है।आयरन हीमोग्लोबिन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन आयरन की अधिक मात्रा आंतो में अल्सर, थैलेसीमिया या कोलाइटिस का कारण बन सकती है। पोटेशियम शरीर में रक्तचाप के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है।

3. पेट की समस्या शरीफा फाइबर का एक अच्छा स्त्रोत है। फाइबर कब्ज के लिए बहुत अच्छा होता है। हालांकि अधिक फाइबर की अधिक मात्रा पेट के विभिन्न रोगों का कारण बन सकती है।

शरीफा कैलोरी से भरे हुए होते हैं इसलिए इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है। इनमें चीनी की मात्रा अधिक होती है जो, अत्यधिक वजन के साथ विभिन्न अंगों जैसे लीवर और किडनी के लिए हानिकारक है। डायबिटीज से पीड़ित लोगों को शरीफा का सेवन करने से बचना चाहिए क्योंकि ये खून में शुगर के स्तर को बढ़ा सकता है । शरीफा के बीज का त्वचा और खासकर आंखों पर गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। शरीफा के बीज के पाउडर के इस्तेमाल से त्वचा में तेज दर्द और जलन हो सकती है। इससे आंखों को नुकसान भी हो सकता है।

सामंथा को पसंद आया प्रियंका चोपड़ा का निक जोनस को रोस्ट

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इन दिनों सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. प्रियंका और निक के तलाक की खबरें आ रही हैं. जब से प्रियंका ने सोशल मीडिया पर अपने नाम से जोनस हटाया है तब से उनके तलाक की अफवाहें आने लगी थीं मगर प्रियंका की मां ने इन खबरों को गलत ठहराया है. इसी बीच प्रियंका ने जोनस ब्रदर्स को रोस्ट किया है. जिसका वीडियो वायरल हो रहा है.

प्रियंका ने अपने पति निक और उनके दोनों भाईयों केविन और जो जोनस को रोस्ट किया है. ये शो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है. इस शो का नाम जोनस ब्रदर्स फैमिली रोस्ट है. प्रियंका चोपड़ा को जोनस फैमिली को रोस्ट करना सामंथा रुथ प्रभु को बहुत पसंद आया है. प्रियंका चोपड़ा का जोनस ब्रदर्स को रोस्ट करना फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. वह इस शो को देख रहे हैं और शेयर भी कर रहे हैं. साउथ की क्वीन सामंथा को भी प्रियंका का शो पसंद आया है. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी तारीफ की है. सामंथा ने प्रियंका चोपड़ा का वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेर करते हुए लिखा- शानदार.वीडियो में प्रियंका कहती हैं कि मैं यहां आकर सम्मानित महसूस कर

रही हूं. आज रात मैं अपने पति निक जोनस और उनके दोनों भाईयों को रोस्ट करने वाली हूं जिनके नाम मैं कभी याद नहीं कर सकती. मैं भारत से हूं जहां संस्कृति, संगीत और मनोरंजन का भंडार है इसलिए जोनस ब्रदर्स वहां अपनी पकड़ नहीं बना पाए.

अपने और निक के बीच उम्र के फासले पर भी प्रियंका बोलीं. उन्होंने कहा- मेरे और निक के बीच 10 साल का गैप है. हां है गैप. कई 90 के दशक के पॉप कल्चर के बारे में वह समझ नहीं पाते हैं और मैं उनको इसके बारे में समझाती हूं. जो कि ठीक है, हम एक-दूसरे को सिखाते हैं. हम और भी चीजें सीखते हैं. जैसे कि वो मुझे सिखाते हैं टिक टॉक का कैसे इस्तेमाल करते हैं और मैंने उन्हें दिखाया कि एक सफल एक्टिंग करियर कैसा होता है. आपको बता दें सामंथा भी हाल ही में सुर्खियों का हिस्सा बनी थीं. वह अपने पति नागा चैतन्य से अलग हो गई हैं.

पूर्व कप्तान बोले, आस्ट्रेलिया के सारे कप्तान पर लगे हैं दाग

● 15 साल लग जाएंगे पर नहीं मिलेगा बेदाग कप्तान

नई दिल्ली: आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि अगर देश के क्रिकेट प्रशासक कप्तान नियुक्त करने के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी की तलाश में है जिसका रिकार्ड बेदाग हो तो फिर आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम अगले 15 साल तक बिना कप्तान के रहेगी।टिम पेन ने अपनी सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजने का रहस्योद्घाटन होने के बाद कप्तान पद छोड़ दिया था जिसके बाद क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) को नए कप्तान की तलाश है। तेज गेंदबाज पैट कैमिंस कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे है। उनके

अलावा पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ भी दौड़ में हैं। क्लार्क ने कहा कि रिकी पोंटिंग भी अपने करियर की गलत शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक बने थे। उन्होंने कहा, ह्यमेरे समय में यहां तक कि रिकी पोंटिंग बेहतरीन कप्तान रहे हैं। यदि ऐसा मामला होता तो वह कभी आस्ट्रेलिया की कप्तानी नहीं कर पाते। उनका बोरबोन एंड बीफस्टीक (नाइटक्लब) में झगड़ा हुआ। वहां घूंसे चले थे। क्या इस कारण आप उन्हें जिम्मेदारी नहीं सौंपते। वह शानदार उदाहरण हैं। उन्होंने आपको दिखाया है कि कैसे समय, अनुभव, परिपक्वता, उच्च स्तर पर खेलना और यहां तक कि कप्तानी भी उनमें बदलाव लेकर आई। क्लार्क ने स्वीकार किया कि आस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान को उच्च मानदंड स्थापित करने की जरूरत होती है, लेकिन यदि उससे गैरजरूरी उम्मीदें रखी जाती हैं तो फिर बहुत कम विकल्प बचेंगे। उन्होंने कहा, ह्यबेशक, आपको कुछ मानकों को बनाए रखना होगा, लेकिन क्या आप यह कहने जा रहे हैं कि ह्यवह बदल सकता है, वह परिपक्व हो सकता है। खिलाड़ियों का समर्थन कहां है? (यदि आप बेदाग कप्तान चाहते हैं) आप 15 साल तक कप्तान की तलाश करोगे। हमारे पास कप्तान नहीं होगा।

आज से ग्रीनपार्क में कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच द्रविड़ की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली: भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आइसीसी टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद एक बार फिर से आमने सामने होंगी। इस बार टीम इंडिया की कमान अजिंक्य रहाणे के हाथों में होगी जबकि कोच भी रवि शास्त्री नहीं बल्कि पूर्व दिग्गज राहुल द्रविड़ होंगे। टी20 सीरीज में जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम टेस्ट में टक्कर लेने उतरेगी। सीनियर खिलाड़ियों की गैर मौजूदगी में कोच और कप्तान टीम के लिए अलग योजना

लेकर उतरेंगे।ग्रीनपार्क में गुरुवार से शुरू हो रहे भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट मैच में कप्तान अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम अपने अजेय रिकार्ड को बरकरार रखने के लिए उतरेगी। यह टेस्ट मैच कप्तान रहाणे के साथ कोच राहुल द्रविड़ की कोचिंग की भी परीक्षा लेगा।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड से मिली हार का बदला लेने के लिए टीम इंडिया पूरी तैयारी के साथ उतरेगी। रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम ने पांच मुकाबले खेले हैं, इसमें चार में टीम को जीत मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रा रहा। ग्रीनपार्क में भारतीय टीम पहली बार नए कप्तान अजिंक्य रहाणे व कोच राहुल द्रविड़ के साथ उतरेगी। टेस्ट में भारत और न्यूजीलैंड का मुकाबला ग्रीनपार्क में तीन बार हो चुका है।

श्रीलंका गाल टेस्ट में जीत के करीब, आखिरी दिन चाहिए वेस्टइंडीज के 4 विकेट

नई दिल्ली: श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ने पकड़ मजबूत कर ली है। पहली पारी में 386 रन बनाने के बाद श्रीलंका ने दूसरी पारी को 4 विकेट पर 191 रन बनाकर घोषित की। चौथे दिन का खेल खत्म होने के वक्त वेस्टइंडीज की टीम ने महज 52 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे। जीत के लिए 296 रन के स्कोर को हासिल करना है।

स्टार खिलाड़ियों के बिना न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली: कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में गुरुवार को उतरेगी। ग्रीनपार्क की घरेलू पिच पर ही भारतीय टीम ने वर्ष 2016 में स्पिनर्स की मदद से कीवी टीम को बड़े अंतर से हराया था। विराट कोहली की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे अजिंक्य रहाणे पर युवा खिलाड़ियों संग न्यूजीलैंड टीम पर फतह करने का दवाब रहेगा।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उपविजेता रही भारतीय टीम के लिए इस बार परिस्थितियां साथ देने वाली होगी क्योंकि इंग्लैंड की पिच तेज गेंदबाजों की मददगार थी। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहेगी। इस सीरीज के लिए भारत ने सीनियर

खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। कानपुर टेस्ट में विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल आदि। सीरीज में बल्लेबाजी के लिहाज से दोनों टीमें संतुलित हैं। भारतीय टीम में शीर्ष बल्लेबाजों के साथ मध्यक्रम का दारोमदार कप्तान अजिंक्य रहाणे व उपकप्तान चेतेश्वर पुजारा पर रहेगा।

उनका साथ देने के लिए युवा श्रेयस अय्यर भी रहेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड टीम की बल्लेबाजी को संभालने के लिए कप्तान केन विलियमसन और रास टेलर जैसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। जो भारतीय स्पिनर्स की परीक्षा लेंगे क्योंकि इन बल्लेबाजों को स्पिनर के खिलाफ बेहतर माना जाता है। अजिंक्य रहाणे (कप्तान), चेतेश्वर पुजारा (उपकप्तान), श्रेयर अय्यर, मंयक अग्रवाल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, ऋद्धिमान साहा (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, ईशांत शर्मा, उमेश यादव, मोहम्मद सिराज, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, जयंत यादव।

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कोरोना को लेकर दी चेतावनी

कहा- दिसंबर में तीसरी लहर की आशंका, लेकिन हल्का होगा असर

मुंबईः महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि दिसंबर में कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर आने की आशंका है, लेकिन इसका प्रभाव हल्का होगा. स्वास्थ्य मंत्री ने एक न्यूज चैनल से कहा कि तीसरी लहर के दौरान चिकित्सीय ऑक्सीजन और गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) के बिस्तरों की जरूरत नहीं होगी.टोपे ने कहा, ह्यह्यतीसरी लहर के हल्का होने की संभावना है और चिकित्सीय ऑक्सीजन और आईसीयू बेड की जरूरत नहीं होगी.ह्लह्ल कोविड-19 के मौजूदा परिदृश्य के बारे में टोपे ने कहा कि महाराष्ट्र में 80 प्रतिशत नागरिकों का टीकाकरण किया जा चुका है. वर्तमान में संक्रमण का स्तर और मृत्यु दर कम है. स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को कहा था कि राज्य में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 766 मामले आए और 19 लोगों की मौत हुई. राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार तीसरे दिन 10,000 से नीचे रही. महाराष्ट्र में मंगलवार तक संक्रमण के कुल 66,31,297 मामले आए हैं. टोपे ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की पहली लहर सितंबर 2020 में और दूसरी लहर अप्रैल 2021 में आई थी. टोपे ने कहा कि उन्होंने पिछले हफ्ते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की थी और स्वास्थ्यकर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मियों, वरिष्ठ नागरिकों तथा संक्रमण के लिहाज से कमजोर वर्गों के लिए टीके की बूस्टर खुराक देने को लेकर केंद्र की अनुमति मांगी थी. संक्रमण से बचाव के लिए 12 से 18 वर्ष के बच्चों-किशोरों को टीका लगाने की भी मांग की थी.

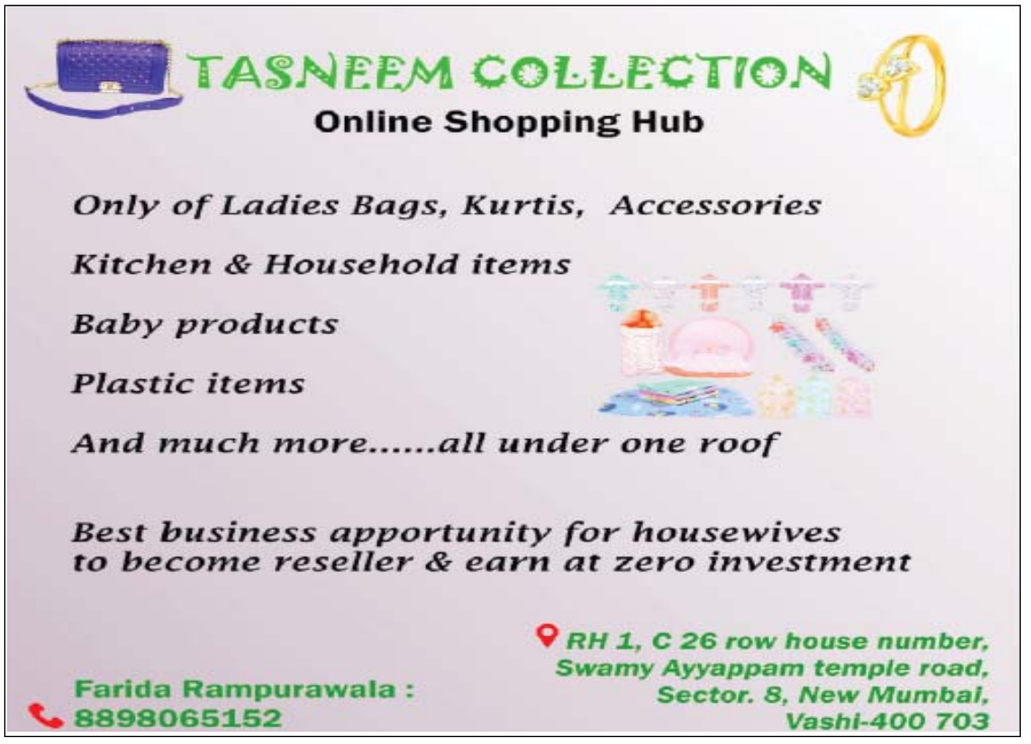

देवेंद्र फडणवीस राज ठाकरे से मिलने पहुंचे

मुंबईः महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस बुधवार को एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे से मिलने उनके नए घर पहुंचे. वैसे राज ठाकरे के नए घर शिवतीर्थ में उनसे मिलने सचिन तेंडुलकर भी आ चुके हैं. लेकिन देवेंद्र फडणवीस के आने से राजनीतिक गलियारों में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है. इस नए घर और नई दोस्ती के पीछे क्या आगामी चुनाव है? शिवसेना के खिलाफ बीजेपी और एमएनएस का कोई नया दांव है? इस हंस-हंस कर मिलने के पीछे क्या राज है, यह नये घर को देखने जाने का शिष्टाचार भर ही नहीं है, कोई बड़ी बात है. देवेंद्र फडणवीस के साथ उनकी पत्नी अमृता फडणवीस भी मौजूद थीं. इस वजह से यह सही अंदाज लगाना मुश्किल हो रहा है कि यह मुलाकात पारिवारिक थी या फिर राजनीतिक? अगर यह पारिवारिक मुलाकात भी है तो राजनीति से जुड़ी बात हुई तो जरूर होगी. फिलहाल इस मुलाकात से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

राज्य परिवहन निगम के कर्मचारियों की स्ट्राइक को लेकर राज्य का राजनीतिक माहौल गमार्या हुआ है. आज इसका हल भी निकल जाने की संभावना है. राज ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस की इस मुलाकात से पहले बीजेपी नेता गोपीचंद पडलकर और सदाभाऊ खोत देवेंद्र फडणवीस के सागर बंगले में जाकर उनसे मिले. ये दोनों राज्य परिवहन निगम के कर्मचारियों की ओर से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं. स्ट्राइक में बैठे कर्मचारियों का मामला हल करने के लिए शिवसेना नेता और परिवहन मंत्री अनिल परब के साथ मीटिंग में शामिल होने से कुछ घंटे ये दोनों देवेंद्र फडणवीस से मिले. इन दोनों नेताओं से मुलाकात के बाद देवेंद्र फडणवीस सीधे राज ठाकरे के नए निवास पर पहुंचे. इन सारी बातों ने चचाओं को और गर्मा दिया है. इस बीच अगले साल की शुरूआत में ही महाराष्ट्र में मुंबई महानगरपालिका समेत कई अहम नगरपालिकाओं के चुनाव होने हैं. कहा जा रहा है कि इन चुनावों में भी देवेंद्र फडणवीस की पार्टी बीजेपी और राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस के बीच गठबंधन होना लगभग तय है. बस अलग-अलग जगहों में सीट शेयरिंग को लेकर चचाएं चल रही हैं. फिलहाल राज ठाकरे से मिलने जाने के पीछे वजह क्या है, यह देवेंद्र फडणवीस को ही पता है. लेकिन जो सबको पता है, वो यह है कि राज ठाकरे ने अपने नए घर में प्रवेश किया है. देवेंद्र फडणवीस इस नए घर में राज ठाकरे से पहली बार मिलने पहुंचे थे.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net